क्या अल्लाह के रसूल - सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम - ने आप के लिए क्षमा की प्रार्थना की , फ़रमायाः हाँ ,और मैं तुम्हारे लिए भी। फिर यह आयत पढ़ीः **وَاسْتَغْفِرْ لِذَنْبِكَ وَلِلْمُؤْمِنِينَ وَالْمُؤْمِنَاتِ** (अपने लिए तथा मोमिन मर्दों और मोमिन महीलाओं के पापों के लिये क्षमा की प्रार्थना करो)।

अब्दुल्लाह बिन सरजिस से वर्णित है वह कहते हैं कि मैंने नबी - सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- को देखा है तथा आप के साथ रोटी व मांस का सेवन किया है अथवा कहा कि स़रीद (मालीदा)। वह कहते हैं , मैंने उन से पूछाः क्या अल्लाह के रसूल - सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम- ने आप के लिए क्षमा की प्रार्थना की , फ़रमायाः हाँ ,और मैं तुम्हारे लिए भी। फिर यह आयत पढ़ीः وَاسْتَغْفِرْ لِذَنْبِكَ وَلِلْمُؤْمِنِينَ وَالْمُؤْمِنَاتِ (अपने तथा मोमिनों और मोमिन महीलाओं के पापों के लिये क्षमा की प्रार्थना करो)। उन्होंने कहाः फिर जब मैं पीछे घूमा तो मेरी दृष्टि आप के कंधों के बीच बाएं कंधे के ऊपरी भाग पर मौजूद मुहर -ए- नबूव्वत पर पड़ी जो कि बंद मुठ्ठी के आकार की थी जिसके ऊपर मस्सों के समान तिल था।

[सहीह] [इसे मुस्लिम ने रिवायत किया है।]

http://sunnah.global/hadeeth/hi/show/10965